

राष्ट्रपति ने मध्य प्रदेश में दो परियोजनाओं का कथिा वरचुअल शलान्यास

चरचा में क्यों?

15 नवंबर, 2022 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रातापानी-औबेदुल्लागंज-इटारसी फोरलेन परियोजना (एनएच-46) और रक्षा मंत्रालय के ग्वालियर स्थिति रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान में मेक्समिम माइक्रोवाइल कंटेनमेंट लेबोरेटरी (बीएसएल 4) का वरचुअल शलान्यास कथिा ।

प्रमुख बडिु

- करीब 300 करोड़ रुपए लागत की यह लैब कोवडि-19 जैसी चुनौतियों का सामना करने में सहयोग करेगी । यहाँ महत्त्वपूर्ण अनुसंधान हो सकेंगे ।
- यह परियोजना भारतमाला परियोजना में एनएच-46 (पुराना एनएच-69) औबेदुल्लागंज से बैतूल इंटर कॉरडोर मार्ग का एक हसिा ही है, जो भोपाल से नागपुर को कनेक्टविटि देता है ।
- इस मार्ग का 38 कर्मी. का खंड रातापानी वन्य-जीव अभयारण्य में आता है एवं रातापानी खंड भोपाल-नागपुर कॉरडोर का भाग है ।
- इस परियोजना में वन्य-जीव और पर्यावरण की सुरक्षा के लिये आवश्यक उपाय शामिल हैं । वन्य-जीव अभयारण्य क्षेत्र में पशु अंडरपास के प्रावधानों से वन्य-प्राणियों को आवागमन में आसानी होगी ।
- इस परियोजना की कुल लंबाई 38 कर्मी. है । इसके नरिमाण पर 417 करोड़ 51 लाख रुपए की लागत आणी । परियोजना का नरिमाण कार्य 18 माह की अवधि में पूरण कथिा जाएगा ।
- इस मार्ग को चौड़ा करने से वन्य-प्राणियों के आवागमन/आवास पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के लिये 5 बड़े पशु अंडरपास (100 मी., 420 मी., 1226 मी., 65 मी. एवं 65 मी.) एवं 2 छोटे पशु अंडरपास (10 मी. एवं 10 मी.) अधो-संरचनाएँ बनाई जाएंगी । इस परियोजना में एक माइनर ब्रिज एवं 2 व्हीकल अंडरपास का नरिमाण भी कथिा जाना है ।
- इस परियोजना का प्रमुख लाभ भोपाल, होशंगाबाद, बैतूल और नागपुर की बेहतर कनेक्टविटि होगी । साथ ही, भारी यातायात से सड़क उपयोगकर्त्ताओं को सुवधि प्राप्त होगी ।
- रातापानी वन्य-जीव अभयारण्य और सतपुड़ा टाइगर रज़िर्व तक बेहतर आवागमन से पर्यटन क्षेत्र को बढावा एवं रोज़गार के अवसरों में वृद्धि होगी । इससे जहाँ समय और ईंधन की बचत के साथ प्रदूषण में कमी आणी, वहीं सड़क उपयोगकर्त्ता की सुरक्षा में भी सुधार होगा । परियोजना के पूरण होने से क्षेत्र के लोगों की तीव्र सामाजिक और आर्थिक समृद्धि का कार्य हो सकेगा ।